प्रभात खबर - 21.02.2017

डॉ जवाहर लाल ने बढ़ाया कॉलेज का मान

- दो वर्ष में प्राप्त किये लगातार दो अवार्ड
- इंडो-भूटान व्यापार मैत्री सम्मेलन में होगा इनका अभिभाषण

संवाददाता ▸ बिक्रमगंज (कार्यालय)

स्थानीय एएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ (प्रो.) जवाहर लाल ने बेस्ट प्राचार्य का अवार्ड पाकर न केवल अपना व अपने परिवार का सम्मान बढ़ाया है, बल्कि कॉलेज व रोहतास जिले का मान बढ़ाया है. लगातार दो वर्षों में दो अवार्ड प्राप्त कर अपनी कार्य कुशलता को साबित कर दिखाया है. इन से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ गयी हैं. लोग इनकी प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं.

गौरतलब हो कि 17 फरवरी को नयी दिल्ली के संविधान क्लब में आयोजित 12 वीं राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार और ग्रीन राजदूत शिखर सम्मेलन में सिक्किम के पूर्व गवर्नर वाल्मीकि प्रसाद सिंह ने डॉ जवाहर लाल को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेस्ट प्राचार्य अवार्ड से सम्मानित किया. मौके पर पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री शाहनवाज हुसैन, ग्लोबल लीडर फाउंडेशन के चेयरमैन रमेश त्रिपाठी, इसीआइ के चेयरमैन विजेंद्र अग्रवाल, फिल्म सीटी नोएडा के चेयरमैन संदिप मौरवा आदि उपस्थित थे. इससे पूर्व वर्ष 2015 में उच्च शिक्षा में सहभागिता और विकास के लिए भारतीय शिक्षा परिषद नयी दिल्ली द्वारा इनके कार्यकाल में कॉलेज को बेस्ट ग्रुप ऑफ कॉलेजेज का अवार्ड दिया जा चुका है. लगातार दो वर्षों तक अवार्ड प्राप्त करने वाले प्राचार्य न केवल केवल एएस कॉलेज, बल्कि रोहतास जिले का प्रथम प्राचार्य बन गये हैं. हाल के दिनों में भूटान में इंडो-भूटान व्यापारिक मैत्री सम्मेलन में इन्हें अभिभाषण के लिए चयनित किया गया है, जो एक अलग उपलब्धि मानी जा रही है.

पूर्व राज्यपाल से अवार्ड प्राप्त करते प्राचार्य डॉ जवाहर लाल.

प्राचार्य डॉ (प्रो.) जवाहर लाल ने बताया कि सर्वप्रथम प्राचार्य के रूप में इनका चयन वर्ष 2009 में हुआ और ये बीएन मंडल विश्वविद्यालय में प्राचार्य के पद पर पदस्थापित हुए. 12 जून, 2009 को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत डीके कॉलेज डुमरांव (बक्सर) में पदभार ग्रहण किया. वहां लगातार पांच वर्षों तक प्राचार्य के रूप में सेवा दिये. एक सितंबर, 2014 में इनकी पदस्थापना एएस कॉलेज बिक्रमगंज में हुआ.